

प्रेषक,

कुँवर सिंह,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक,
उत्तरांचल जल संस्थान,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 21 मार्च, 2006

विषय यात्रा मार्गों की पेयजल व्यवस्था के सुदृढीकरण हेतु वित्तीय वर्ष 2005-06 में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय पत्रांक 5208/ दिनांक 27.01.2006 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद उत्तरकाशी, टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, चमोली एवं देहरादून में यात्रा मार्गों की पेयजल व्यवस्था हेतु ₹ 33.66 लाख की लागत के प्राक्कलन पर टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पाई गई धनराशि ₹ 32.60 लाख (₹ 0 बत्तीस लाख साठ हजार मात्र) की लागत के आगणनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 में नगरीय पेयजल योजनाओं के जीर्णोद्धार/सुदृढीकरण मद के अन्तर्गत इतनी ही धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. स्वीकृत धनराशि मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके, आवश्यकतानुसार किशतों में आहरित की जायेगी तथा आहरण से संबंधित बाउचर संख्या व दिनांक की सूचना महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून तथा शासन को तुरन्त उपलब्ध करा दी जायेगी।

3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का यात्रा काल प्रारम्भ होने से पूर्व निर्माण कार्य पूर्ण करते हुए वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय। अवमुक्त की जा रही धनराशि के पूर्ण उपयोग एवं उपरोक्त विवरण उपलब्ध कराने के बाद ही अवशेष धनराशि आवंटित की जा सकेगी।

4. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरें, जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

5. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आंगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, विना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।

6. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय, जितना कि स्वीकृत नार्म है। स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

7. एकमुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आंगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

8. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को

सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।

9. कार्य करने से पूर्व स्थल का भली भाँति निरीक्षण कर उच्चाधिकारियों के साथ अवश्य करा लें। स्थल निरीक्षण के पश्चात् आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
10. आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय। एक मद की धनराशि दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
11. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री की किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय। 12. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु संबंधित निर्माण ऐजेंसी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
13. कार्य के सापेक्ष सेन्टेज चार्जेज वर्तमान में नियमानुसार अनुमन्य दरों पर ही लिया जायेगा।
14. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2006 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।
15. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 में अनुदान संख्या-13 के लेखा शीर्षक- "2215-जलपूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत-101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-05-नगरीय पेयजल-03-नगरीय पेयजल योजनाओं का पुनर्गठन, जीर्णोद्धार, सुदृढीकरण हेतु अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता" के नामे डाला जायेगा।
16. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या 289/XXVII(2)/2006 दिनांक 17 मार्च, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,
(कुँवर सिंह)
अपर सचिव

संख्या 421/उन्तीस(2)/06(101पे0)/2005 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
2. जिलाधिकारी, उत्तरकाशी, टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, चमोली एवं देहरादून।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून।
6. निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री।
7. वित्त अनुभाग-2/नियोजन प्रकोष्ठ/वित्त बजट सैल।
8. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, ई0सी0रोड़, देहरादून।
9. स्टाफ आफिसर-मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
10. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(कुँवर सिंह)
अपर सचिव